

जीवन के वचन

6



शांति का निर्माण करें

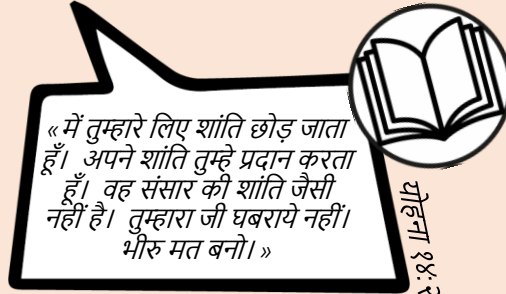


“भाइयो अलविदा, आप पूर्ण बने।
हमारा उपदेश हृदय गमू करे, एक
मत रह, शांति बनाये रखे, और प्रेम
तथा शांति का ईश्वर आपके साथ
होगा।”

(2Cor 13:11)



जीवन के इस वचन को कैसे जीना है, यह जानने के लिए आइए यीशु के उदाहरण को देखें। वह हमें अपनी शांति देने के लिए पृथ्वी पर आया था।



«मैं तुम्हारे लिए शांति छोड़ जाता हूँ। अपने शांति तुम्हें प्रदान करता हूँ। वह संसार की शांति जैसी नहीं है। तुम्हारा जी घबराये नहीं। भीरु मत बनो।»

योहाना १४:२७



शांति का अर्थ केवल युद्धों, संघर्षों और विभाजनों की अनुपस्थिति नहीं है।



«मैं सच्ची शांति का अनुभव कैसे कर सकता हूँ?»



शांति हमें जीवन और आनंद से भर देती है। यह हमें संपूर्ण व्यक्ति बनाता है और हमें सच्ची स्वतंत्रता देता है। इसका मतलब है कि सभी लोग एक परिवार के रूप में प्यार से एक साथ रहते हैं।



«यीशु ने हमें "उसकी" शांति देने के लिए क्या किया?»



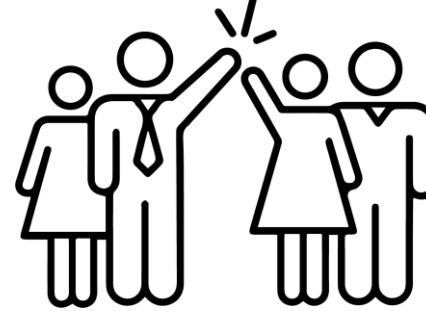
इसकी कीमत उन्होंने अपनी जान देकर चुकाई। उसने संसार की सारी घृणा और वह सब कुछ जो लोगों को एक दूसरे से अलग करता है, अपने ऊपर ले लिया। उन्होंने राष्ट्रों को विभाजित करने वाली दीवारों को गिरा दिया।



हमें भी शांति कायम करने की कीमत चुकानी होगी। हमें प्रेम में मजबूत होने की जरूरत है। हमें उनसे भी प्यार करना है जो हमारे प्यार का जवाब नहीं देते। हमें क्षमा करने में सक्षम होना चाहिए, दूसरों को अपना शत्रु समझना बंद करना चाहिए, और दूसरे व्यक्ति के देश को अपने देश के जैसे प्यार करना चाहिए।



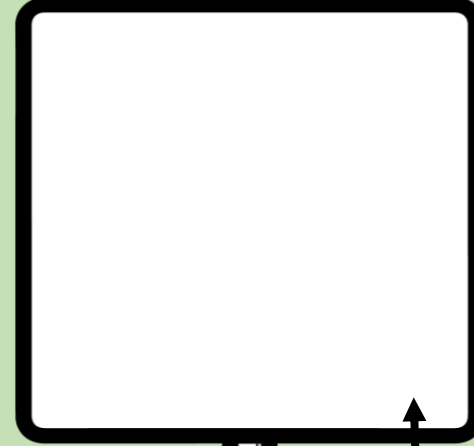
इसके लिए हमें एक और चीज की आवश्यकता है, वह है प्यार करने के लिए एक नया दिल और नई आंखें होना और हर किसी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखना जो एकता में रहने और दुनिया को एक परिवार बनाने की योग्यता रखता हो।



«शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि मनुष्य की सामान्य स्थिति है जो स्वयं के साथ, प्रकृति के साथ और अन्य लोगों के साथ मिलाप के साथ रहती है। यही शांति है।»



«आपके लिए शांति क्या है?»



आप जो सोचते हैं कि शांति क्या है, उसका चित्र लिखें या बनाएं

centrogen3.rpu@focolare.org
टीन्स4यूनिटी द्वारा अनुकूलित
वर्ड ऑफ लाइफ द्वारा लिखित
पत्रीज़िया माज़ोला और उनकी टीम